समीक्षात्मक एवं सृजनात्मक चिंतन (CCT) अभ्यास अक्टूबर 2021

विषय – हिन्दी

कक्षा - 9-10

यू.टी. चंडीगढ़, शिक्षा विभाग

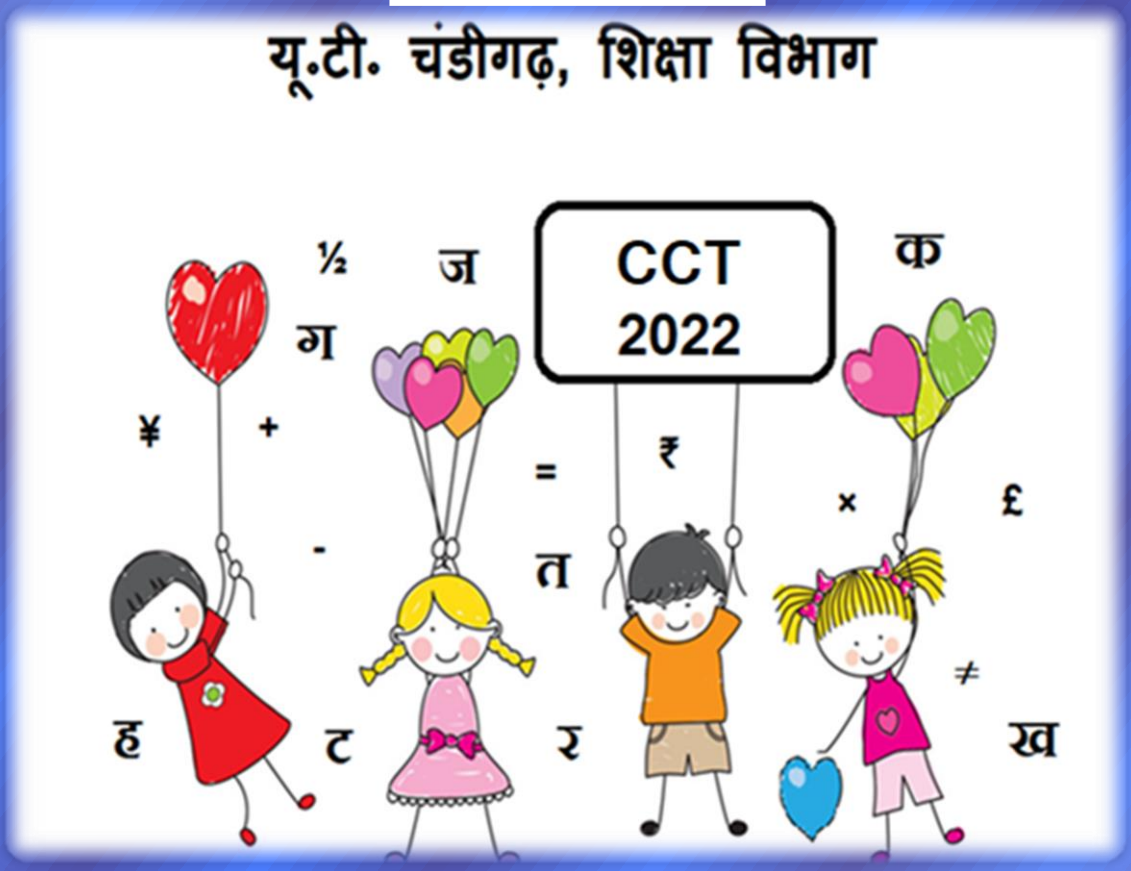

संकलित – राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय,बहलाना,चंडीगढ़।

राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय,रायपुर खुर्द,चंडीगढ़।

प्रस्तावना :

प्रस्तुत पुस्तिका का उद्देश्य विद्यार्थियों में पठन कौशल की समझ विकसित करना है ताकि भाषाई समझ, तथ्य विश्लेषण-ग्रहण एवं आलोचनात्मक चिंतन आदि की ओर प्रवृत्त हों। जीवन के विविध आयामों तक विद्यार्थी की समझ विकसित हो और गणित के प्रति अभिरुचि बढ़े। वह सीखने की प्रक्रिया में पूरा भागीदार बने और ज्ञान के लिए पाठ्य पुस्तकों से इतर दुनिया की ओर अग्रसर हो।

समन्वयक :

प्राचार्य श्रीमती रेनु गुप्ता,राजकीय वरिष्ठ आदर्श माध्यमिक विद्यालय,बहलाना,चंडीगढ़।

प्राचार्य श्रीमती रेनु पाठक ,राजकीय वरिष्ठ आदर्श माध्यमिक विद्यालय,रायपुर खुर्द,चंडीगढ़।

निर्माण समिति :

1. बृजरानी राजकीय उच्च विद्यालय, कजहेड़ी, चंडीगढ़
2. रेनू कटोच राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 37, चंडीगढ़
3. नीलम चोपड़ा राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 27, चंडीगढ़
4. नीना राणा राजकीय आदर्श उच्च विद्यालय, सेक्टर 42, चंडीगढ़
5. कपिल शर्मा राजकीय उच्च विद्यालय, सेक्टर 53, चंडीगढ़
6. डॉ० दिनेश चंद्र राजकीय आदर्श उच्च विद्यालय, सेक्टर 12, चंडीगढ़
7. जसविंदर कौर राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 22, चंडीगढ़
8. रीता वसिष्ट राजकीय आदर्श उच्च विद्यालय, पॉकेट नंबर 1, मनीमाजरा, चंडीगढ़
9. किरण बाला राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 26, टिंबर मार्केट, चंडीगढ़
10. गौरव कुमार राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 10, चंडीगढ़
11. रजनी खरबन्दा राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 35, चंडीगढ़
12. सोनिया राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 10, चंडीगढ़
13. तेजिंदर कौर राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 8, चंडीगढ़

<u>दिशा निर्देश</u> :

शिक्षक रणनीति (कैसे सिखाना है):
- कहानियों के विभिन्न हिस्सों के लिए विभिन्न रणनीतियों का प्रयोग करेंगे।
- मौन वाचन
- विद्यार्थियों को समूह में बांटकर सस्वर वाचन
- एक विद्यार्थी द्वारा संपूर्ण कक्षा के समकक्ष वाचन

- समूह चर्चा
- अध्यापक: एक स्रोत

दक्षताएँ :

- वार्तालाप
- रचनात्मक सोच
- सूचनाओं की पुन:प्राप्ति
- समस्या समाधान
- कल्पनात्मकता का विकास

विभिन्न आयाम:

- कला एवं साहित्य
- गणित
- समाज व पर्यावरण
- विज्ञान

	Reading Literacy (Hindi)			
	Class 9th to 10th			
Serial No. प्रतिमान संख्या	Name of the Module प्रतिमान का नाम	Taxonomy	Source	Page No.
1	झील	Understand Analyze	पाठ्यपुस्तक	4
2	मंथन	Understand Analyze	पाठ्यपुस्तक	8

प्रतिमान-1

प्रतिमान-1

अक्टूबर 2021

पाठ्य पुस्तक :- स्पर्श भाग-1	कक्षा 9	उपविषय- झील
प्रकार- निबंध	पाठ का नाम :- ल्हासा की ओर	
सीखने के प्रतिफल: 914. अपने आस-पास के रोज़ाना बदलते पर्यावरण पर ध्यान देते हैं, तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए सचेत होते हैं। जैसे—कल तक यहाँ पेड़ था, अब यहाँ इमारत बनने लगी?		

918. अपने परिवेश की समस्याओं पर प्रश्न तथा साथियों से बातचीत/चर्चा करते हैं।

नेपाल में पर्यटकों और पर्वतारोहियों का तांता लगे रहने की बड़ी वजह हिमालय की पर्वत श्रंखला है। इसी पर्वत श्रंखला में एक रहस्य छुपा हुआ है, जिसे हाल में खोजा गया। आओ जाने, सबसे ऊंची झील के नए रिकॉर्ड के बारे में एक नई खोज सामने आई है और अगर इस नई खोज को मान्यता मिल जाती है, तो दुनिया को सबसे ऊंची एक नई झील मिलेगी। नेपाल में कुछ महीने पहले पर्वतारोहियों के एक दल ने इस झील को खोजा, जिसके बारे में अब तक दुनिया को पता ही नहीं था। एक टीम ने इस झील को खोजा, तो पाया कि अब तक सबसे ऊंची झील तिलिचो के मुकाबले ये झील ज़्यादा उँचाई पर स्थित है, जो चेम ग्रामीण नगरपालिका के सिंगारखड़का की सीमा में है। इस नई झील को 'काजिन सारा' के नाम से जाना जा रहा है। नेपाल के पोखरा शहर से 55 किलोमीटर दूर मनांग ज़िले में स्थित 'तिलिचो झील' दुनिया की सबसे ऊंची झील मानी जाती है। समुद्र तल से इसकी उँचाई 4919 मीटर या 16138 फीट है। तकरीबन 85 मीटर गहरी ये झील 4.8 वर्ग किलोमीटर के दायरे में फैली हुई है। अब अगर नई खोज को मान्यता मिल जाती है तो तिलिचो झील सबसे ज़्यादा उँचाई पर स्थित झील नहीं रहेगी, बल्कि काजिन सारा झील के नाम ये रिकॉर्ड दर्ज होगा। हिमालय की अन्नपूर्णा रेंज की पहाड़ियों के बीच तिलिचो झील को इस आकार की दुनिया की सबसे ऊंची झील का दर्जा प्राप्त है। हालांकि इससे भी ज़्यादा उँचाई पर नेपाल और तिब्बत में कुछ झीलें स्थित हैं, लेकिन असल में, ये झीलें इतनी छोटी हैं कि इन्हें झील का दर्जा नहीं दिया जा सकता। दूसरी ओर, तिलिचो झील की लंबाई 4 किमी और चौड़ाई करीब 1.2 किमी है इसलिए इसे झील समझा जाता है। अन्नपूर्णा रेंज में होने वाले ट्रैक के दौरान तिलिचो झील तक पहुंचने के लिए करीब एक दिन की चढ़ाई करनी होती है और केवल इसके किनारे से कुछ दूर तक ही पहुंचा जा सकता है। यहां कैंपिंग या लॉजिंग जैसी सुविधाएं नहीं हैं और इस झील से मनांग के बीच में किसी किस्म की रुकने की व्यवस्था नहीं है। फिलहाल इस झील तक पहुंचने के लिए थोरोंग ला पास का रास्ता है, लेकिन यह रास्ता लंबा होने के कारण, उत्तरी दिशा की तरफ एक और रास्ता कुछ समय से लोकप्रिय हो रहा है। तिलिचो झील की और भी खूबियां हैं, जिनमें एक है कि ये दुनिया की सबसे ऊंची स्कूबा डाइविंग साइट्स में शुमार है। साल 2000 में एक रूसी टीम ने यहां स्कूबा डाइविंग का आयोजन किया था, लेकिन इस तरह के एडवेंचर काफी खतरनाक माने जाते हैं। तिलिचो की दूसरी खूबी ये है कि ये एकदम फ्रेश पानी की झील है और नेपाल के हाइड्रोलॉजी व मीट्रियोलॉजी विभाग के मुताबिक़ इस झील में कोई जलीय जीवन मौजूद नहीं है। इससे जुड़ी धार्मिक मान्यता भी है। हिंदू मानते हैं कि तिलिचो झील वही झील है, जिसका रामायण में काक भुषुंडि झील के तौर पर वर्णन है। काक भुषुंडि के बारे में मान्यता है कि उन्होंने ही सबसे पहले रामायण की कथा पक्षीराज गरुड़ को इसी झील के किनारे सुनाई थी। पक्षीराज को यह कथा सुनाने के लिए ऋषि काक भुषुंडि ने कौवे का रूप धारण किया था। यही रूप लेने के कारण ऋषि भुषुंडि का नाम काक भुषुंडि प्रचलित हुआ। हिमालयन टाइम्स ने हाल में यह रिपोर्ट जारी की कि कुछ पर्वतारोहियों ने जिस काजिन सारा झील को खोजा था, उसका मापन किया गया है

और पाया गया है कि यह झील समुद्र तल से 5200 मीटर की उँचाई पर स्थित है; यानी तिलिचो से ज़्यादा उँचाई पर। लेकिन, अभी इस मापन या अध्ययन का सत्यापन होना बाकी है। ये भी पाया गया है कि यह झील डेढ़ किलोमीटर लंबी और करीब 600 मीटर चौड़ी है यानी इसे झील का दर्जा दिया जा सकता है। अगर इसका सत्यापन हो गया तो 5000 मीटर से ज़्यादा की उँचाई पर स्थित यह दुनिया की इकलौती झील मानी जाएगी।

प्रश्न

1) प्रामाणिक तौर पर दुनिया की सबसे ऊंची झील कौन-सी है?

   क) तिलिचो ख) काजिन सारा

   ग) काक भुषुंडि घ) इनमें से कोई नहीं

2) पर्वतारोही _____होते हैं?

   क) पर्वत पर रहने वाले ख) पर्वत पर चढ़ाई करने वाले

   ग) पर्वत पर खेती करने वाले घ) पर्वत पर खुदाई करने वाले

3) नेपाल में पर्यटकों और पर्वतारोहियों का तांता लगे रहने की बड़ी वजह क्या है?

   क) हिमालय की पर्वत श्रंखला ख) झील

   ग) जलीय जीवन घ) इनमें से कोई नहीं

4) पर्वतारोहियों के दल द्वारा जिस झील को खोजा गया उसके सन्दर्भ में कौन सा कथन अनुचित है?
   क) तिलिचो झील के मुकाबले ये झील ज़्यादा उँचाई पर स्थित है।
   ख) चेम ग्रामीण नगरपालिका के सिंगारखड़का की सीमा में है।
   ग) यह झील समुद्र तल से 67000 मीटर की उँचाई पर स्थित है।
   घ) यह झील को 'काजिन सारा' के नाम से जाना जा रहा है।
5) तिलोचा झील की किन्हीं तीन विशेषताओं का वर्णन करें।

(केवल शिक्षकों हेतु)

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1.	सूचना की पुनःप्राप्ति	बहुविकल्पीय	औसत
2.	व्यापक समझ	रिक्तस्थान	सरल
3.	सूचना की पुनःप्राप्ति	बहुविकल्पीय	औसत
4.	प्रतिबम्बित/मूल्यांकित	बहुविकल्पीय	कठिन
5.	प्रतिबम्बित/मूल्यांकित	सार्वभौमिक	औसत

उत्तरमाला:

1.	Full Credit	क) तिलिचो
	No Credit	अन्य विकल्प
2.	Full Credit	ख) पर्वत पर चढ़ाई करने वाले
	No Credit	अन्य विकल्प
3.	Full Credit	क) 5200 मीटर
	No Credit	अन्य विकल्प
4.	Full Credit	क) हिमालय की पर्वत श्रंखला
	No Credit	अन्य विकल्प
5.	Full Credit	• दुनिया की सबसे ऊंची स्कूबा डाइविंग साइट्स में शुमार है। • फ्रेश पानी की झील है। • इससे जुड़ी धार्मिक मान्यता भी है।
	Partial Credit	• कोई एक विशेषता
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

प्रतिमान-2

पुस्तक – क्षितिज-2	कक्षा–10

पाठ का नाम – राम-लक्ष्मण,परशुराम संवाद	उप विषय (concept) : मंथन
सीखने के प्रतिफल : 1013.भाषा-साहित्य की बारीकियों पर चर्चा करते हैं, जैसे— विशिष्ट शब्द-भंडार, वाक्य-संरचना, शैली के प्रयोगिक प्रयोग एवं रचना आदि। 1014. विविध साहित्यिक विधाओं के अंतर को समझते हुए उनके स्वरूप का विश्लेषण निरूपण करते हैं। 1015.विभिन्न साहित्यिक विधाओं को पढ़ते हुए व्याकरणिक संरचनाओं पर चर्चा/टिप्पणी करते हैं।	

मंथन:

चल मंथन कर, तू चिंतन कर।
अनवरत चल, अविचल बन
चल मंथन कर,
तू चिंतन कर ।
मंथन कर संस्कारों का,
चिंतन कर सुविचारों का,
प्रचार कर, प्रसार कर।
चंदन बन,चल मंथन कर,तूं चिंतन कर
मंथन से विष अमृत होगा।
अमृत को सुविचार जान तू पान कर।
विष को मान कुविचार तू त्याग कर।
पहचान कर, वरदान बन। कंचन बन
चल मंथन कर,तूं चिंतन कर।

संकल्प कर लक्ष्य का,
तू आह्वान कर ।
प्रगति पथ पर पद चिन्हों का,
आख्यान कर ।
प्रयास कर,प्रभास बन ।
कुंदन बन चल मंथन कर,
तू चिंतन कर
तू मंथन कर।

©किरण बाला राणा

प्रश्न:1-निम्नलिखित श्रुतिसमभिन्नार्थक शब्दों के लिए उचित क्रम वाला विकल्प चुनें।

शब्द:- प्रभास, प्रयास, प्रचार, प्रसार

अर्थ:-

क. विस्तार, चमक, कोशिश, लोकप्रसिद्धि

ख. लोकप्रसिद्धि, विस्तार, चमक, कोशिश

ग .चमक, कोशिश, लोकप्रसिद्धि, विस्तार

घ. कोशिश, लोकप्रसिद्धि, विस्तार, चमक

प्रश्न :2-दिए गए विकल्पों का सटीक प्रयोग करते हुए सही विकल्प चुनें जो दिए गए अनुच्छेद को पूर्ण करते हों।

(कमियों, ध्यान, संकल्प,लक्ष्य)

सही अर्थों में हम अपना मंथन तभी कर पाएंगे, जब हमारा --------- बाहर न होकर अपने अंदर की ओर होगा। अर्थात् ध्यान दूसरों की कमियों की ओर न होकर अपनी ---------- तथा अपनी ताक़त/शक्ति/बल की तरफ़ होना चाहिए। हमें अपने ---------- की प्राप्ति के लिए ---------- करना होगा, लगातार कोशिश करनी होगी, तपना होगा, ख़ुद को जलाना होगा। तभी ख़ुद को पा सकेंगे। लगातार कर्म करना होगा। तभी आगे बढ़ पाएंगे।

प्रश्न:3 -यदि कोई सोनार समुद्र में संकेत भेजता है और उसे 5 सेकंड में वापस प्राप्त करता है तो समुद्र की गहराई का पता लगाएं। आपको दिया गया है:

गहराई = v x t/2 (v= गति ,t = समय)

V=1500 m/s(पानी में ध्वनि की गति)

_____

_____

प्रश्न:4 -"अमृत" शब्द में से उपसर्ग व मूल शब्द छांटें?

उपसर्ग----

मूल शब्द----

5 प्रश्न:-विज्ञान का अर्थ होता है-- नया ज्ञान। परन्तु विज्ञान हमारे लिए वरदान के साथ-साथ ---------- भी साबित हो सकता है।

_____

_____

प्रश्न:5 -जिस प्रकार हम अपने शरीर को स्वस्थ रखने के लिए व्यायाम करते हैं ,उसी प्रकार हमें अपने मस्तिष्क को स्वस्थ रखने के लिए क्या-क्या करना चाहिए? कोई दो विचारात्मक सुझाव लिखिए?

_____

_____

(केवल शिक्षकों हेतु)

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	व्यापक समझ	बहुविकल्पीय	कठिन
2	व्यापक समझ	रचनात्मक	औसत
3	व्यापक समझ	रचनात्मक	कठिन
4	व्यापक समझ	रचनात्मक	सरल
5	व्यापक समझ	रचनात्मक	औसत
6	व्यापक समझ	रचनात्मक	औसत

उत्तरमाला

1.(ग.) चमक, कोशिश, लोकप्रसिद्धि, विस्तार

2.ध्यान, कमियों, लक्ष्य, संकल्प

3. 3750 मीटर

4. उपसर्ग: अ

मूल शब्द: मृत

5.अभिशाप

6. विद्यार्थी स्वयं करेंगे